



NCERT Solutions For Class 9 Sparsh Hindi Chapter 1

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-दो पंक्तियों में दीजिए —

1. हीरे के प्रेमी उसे किस रूप में पसंद करते हैं?

उत्तर:- हीरे के प्रेमी उसे साफ़ सुथरा खरादा हुआ, आँखों में चकाचौंध पैदा करता हुआ पसंद करते हैं।

2. लेखक ने संसार में किस प्रकार के सुख को दुर्लभ माना है?

उत्तर:- लेखक ने संसार में अखाड़े की मिट्टी में लेटने, मलने के सुख को दुर्लभ माना है। यह मिट्टी तेल और मट्टे से सिझाई जाती है और पवित्र होती है। इसे देवता के सिर पर भी चढ़ाया जाता है। ऐसी इस अखाड़े की मिट्टी को अपनी देह पर लगाना संसार के सबसे दुर्लभ सुख के समान है।

3. मिट्टी की आभा क्या है? उसकी पहचान किससे होती है?

उत्तर:- मिट्टी की आभा का नाम 'धूल' है, उसकी पहचान धूल से ही होती है।

• प्रश्न-अभ्यास (लिखित)

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (25-30 शब्दों में) लिखिए-

4. धूल के बिना किसी शिशु की कल्पना क्यों नहीं की जा सकती?

उत्तर:- धूल का जीवन में बहुत महत्व है। माँ और मातृभूमि स्वर्ग से भी बढ़कर हैं। विशेषकर शिशु के लिए। माँ की गोद से उतरकर बच्चा मातृभूमि पर कदम रखता है। घुटनों के बल चलना सीखता तब मातृभूमि की गोद में धूल से सनकर निखर उड़ता है। यह धूल जब शिशु के मुख पर पड़ती है तो उसकी शोभा और भी बढ़ जाती है। धूल में लिपटे रहने पर ही शिशु की सुंदरता बढ़ती है। तभी वे धूल भरे हीरे कहलाते हैं। धूल के बिना शिशु की कल्पना ही नहीं की जा सकती। धूल उनका सौंदर्य प्रसाधन है।

5. हमारी सभ्यता धूल से क्यों बचना चाहती है?

उत्तर:- हमारी सभ्यता धूल से बचना चाहती है क्योंकि वह आसमान को छूने की इच्छा रखती है। धूल के प्रति उनमें हीन भावना है। धूल को सुंदरता के लिए खतरा माना गया है। इस धूल से बचने के लिए ऊँचे-ऊँचे आसमान में घर बनाना चाहते हैं जिससे धूल से उनके बच्चे बचें। वे बनावट-श्रृंगार को महत्त्व देते हैं। वे कल्पना में विचरते रहना चाहते हैं, वास्तविकता से दूर रहते हैं।

6. अखाड़े की मिट्टी की क्या विशेषता होती है?

उत्तर:- अखाड़े की मिट्टी साधारण मिट्टी नहीं होती। इसके स्पर्श से वंचित होने से बढ़कर दूसरा कोई दुर्भाग्य नहीं है। यह बहुत पवित्र मिट्टी होती है। इसको देवता पर चढ़ाया जाता है। यह मिट्टी तेल और मट्टे से सिझाई हुई होती है। पहलवान भी इसकी पूजा करते हैं। यह उनके शरीर को मजबूत करती है। संसार में उनके लिए इस मिट्टी से बढ़कर कोई सुख नहीं।

7. श्रद्धा, भक्ति, स्नेह की व्यंजना के लिए धूल सर्वोत्तम साधन किस प्रकार है।

उत्तर:- श्रद्धा विश्वास का प्रतिक है। धूल को आँखों पर लगाकर वीर योद्धा अपनी श्रद्धा जताते हैं। भक्ति हृदय की भावनाओं का बोध कराती है। धूल को माथे से लगाकर मातृभूमि के प्रति अपनी भक्ति व्यक्त करते हैं प्यार का बंधन स्नेह की भावनाओं को जोड़ता है। धूल में सने शिशु को चूमकर अपना स्नेह प्रकट करते हैं तथा धूल को स्पर्श कर अपना जीवन पाते हैं। अतः धूल श्रद्धा, भक्ति, स्नेह को प्रकट करने का सर्वोत्तम साधन है।

8. इस पाठ में लेखक ने नगरीय सभ्यता पर क्या व्यंग्य किया है?

उत्तर:- नगरीय सभ्यता में सहजता के स्थान पर कृत्रिमता पर जोर रहता है। वे बनावट-श्रृंगार को महत्त्व देते हैं। वे वास्तविकता से दूर रहकर बनावटी जीवन जीते हैं। वे धूल से बचना चाहते हैं, उससे दूर रहना चाहते हैं। इस धूल से बचने के लिए ऊँचे-ऊँचे आसमान में घर बनाना चाहते हैं जिससे धूल से उनके बच्चे बचें। उन्हें काँच के हीरे अच्छे लगते हैं। इस तरह लेखक ने धूल पाठ में नगरीय सभ्यता पर व्यंग्य किया है।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (50-60 शब्दों में) लिखिए
9. लेखक ‘बालकृष्ण’ के मुँह पर छाई गोधूलि को श्रेष्ठ क्यों मानता है?

उत्तर:- लेखक ‘बालकृष्ण’ के मुँह पर लगी धूल को श्रेष्ठ इसलिए मानता है क्योंकि इससे उनका सौंदर्य और भी निखर आता है। यह शिशु की सहज पार्थिवता को निखारती है। यह धूल उनके सौंदर्य को और भी बढ़ा देती है। बनावटी प्रसाधन भी वह सुंदरता नहीं दे पाते।

***** END *****